>

Title: Shortage of urea in Sabarkantha and Amreli in Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी.चौहाण (साबरकांठा) : महोदय, आपको मालूम ही है कि देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी वर्षा हो रही है। इसके फलस्वरूप किसानों को बड़ी मात्रा में यूरिया फर्टिलाइजर की आवश्यकता है, परंतु उन्हें आज आसानी से यूरिया नहीं मिल रहा है। एक ओर किसान यूरिया के लिए दर-दर भटक रहा है। किसान अपनी बुआई का काम छोड़कर एक थैली यूरिया प्राप्त करने के लिए घंटों तक लाइन में खड़ा रहता है फिर भी उसे निराशा ही प्राप्त होती है। पुलिस लाठीचार्ज करती है। यूरिया न मिलने पर किसान हैरान परेशान है तो दूसरी ओर लाखों टन यूरिया बंदरगाहों पर रेलवे वैगन आदि न मिलने की वजह से जमा हो रहे हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और देश की खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। देश के यूरिया संयंत्र अपनी पूरी क्षमता पर काम करने के बावजूद मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं और हमें आयात का सहारा लेना पड़ रहा है। सरकार जानती है कि अब तक 65 लाख टन उर्वरकों का आयात किया जा चुका है जबकि पिछले 13 लाख टन उर्वरकों का आयात किया गया था और अभी मांग बढ़ती जा रही है। पूरे देश में एक ओर यूरिया की तीव्र शॉर्टेज है वही दूसरी ओर कंडला बंदरगाह पर 70 लाख टन यूरिया और मुंदरा बंदरगाह में भी लगभग 2 लाख टन यूरिया पड़े-पड़े पत्थर हो गया है और अब उन्हें मजदूर लगाकर तुड़वाया जा रहा है। हमारे उर्वरक मंत्री जी ने 22 जून, 2010 के एक पत्र के माध्यम से सभी सांसदों को बताया गया था कि देश में यूरिया की कोई कमी नहीं है। इस प्रकार केंद्र सरकार किसानों एवं सांसदों को गुमराह कर रही है। एक तरफ तो आप खाद्य सुरक्षा मिशन के माध्यम से खाद्यान्न बढ़ाना चाहते हो और दूसरी तरफ केंद्र सरकार किसानों को यूरिया उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। यूरिया की कालाबाजारी हो रही है। हमारे राज्य गुजरात एवं हमारे मत क्षेत्र साबरकांठा एवं अमरेली जिले में यूरिया की तीव्र मांग हो रही है। इस मार्ग को तत्काल पूर्ण किया जाए। कृषि यूरिया की तात्कालिक आपूर्ति कराकर कृषि एवं किसानों को बचाया जाए।